बी. ए. ऑनर्स संस्कृत पार्ट-2 परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 2652

द्वितीय प्रश्न पत्र - नाटक, छन्द एवं अलंकार

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास (निर्णयसागर पाठ)
2. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त छन्द)
3. अलंकार (कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य विरचित काव्यदीपिका - अष्टमशिखा मात्र)

यह पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभक्त है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	अभिज्ञानशाकुन्तल का प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अंक।
द्वितीय इकाई	-	अभिज्ञानशाकुन्तल का चतुर्थ, पंचम और षष्ठ अंक।
तृतीय इकाई	-	अभिज्ञानशाकुन्तल का सप्तम अंक।
चतुर्थ इकाई	-	छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त प्रसिद्ध छन्द) ।
पंचम इकाई	-	काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) के अलंकार।

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनके उत्तर अत्यंत संक्षेप में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और ये समग्र पाठ्यपुस्तकों पर आधारित होंगे।

द्वितीय खण्ड 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका शतप्रतिशत विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका विस्तृत विवरण निम्न है -

क. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अंकों से कोई दो श्लोक देकर एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठ अंकों से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी । 10 अंक

ग. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के सप्तम अंक से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

घ. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त प्रसिद्ध चार छन्द देकर दो की लक्षण, उदाहरण सहित विवेचना पूछी जाएगी। 10 अंक

ङ. काव्यदीपिका की अष्टम शिखा से कोई चार अलंकार देकर दो की लक्षण उदाहरण पूर्वक विवेचना पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खण्ड - 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना अपेक्षित है। इनका विस्तृत विवरण निम्न है - 15 अंक

प्रथम प्रश्न इस प्रश्न का आधार निम्नलिखित विषय होंगे -

कालिदास के अभिज्ञानशाकुन्तलम् की विषयवस्तु सम्बन्धी समीक्षा, अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक की महत्ता, अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक की विशेषताएँ, कालिदास की नाट्यकला की विशेषताएँ, कालिदास की नाट्यकला की विशेषताएँ, अभिज्ञानशाकुन्तलम् की नाट्यकला विषयक समालोचना आदि।

द्वितीय प्रश्न का आधार निम्नलिखित बिन्दु होंगे - 15 अंक

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के मुख्य पात्रों (दुष्यन्त, शकुन्तला, कण्व, शार्ङ्गरव-शारद्वत, अनसूया-प्रियंवदा) का चरित्र-चित्रण, कालिदास का संस्कृत नाटक-साहित्य को योगदान, अभिज्ञानशाकुन्तलम् की भाषा सम्बन्धी विशेषताएँ आदि।

सहायक पुस्तकें:-

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
2. छन्दोऽलंकारशाकुन्तलम् - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - भारतीय विद्या प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. मधु सक्सेना
5. कालिदासनाट्यकल्प - डॉ. श्यामाचरण पांडेय
6. कालिदास के रूपकों का नाट्यशास्त्रीय विवेचन - डॉ. कुसुम भूरिया
7. संस्कृत नाटक - कीथ (अनु.) डॉ. उदयभानु सिंह
8. संस्कृतनाट्य साहित्य - डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
9. कालिदास - वि.वि.मिराशी
10. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामजी उपाध्याय (भाग -2)
11. स्नातकसंस्कृतरचनानुवादमंजरी - अजमेरा बुक कम्पनी
12. सरल अनुवादचन्द्रिका - भारतीय विद्याप्रकाशन, जयपुर, दिल्ली
13. व्याकरणप्रदीप - एम.के. सरकार एवं गोकुलचन्द

*****